श्री माता वैष्णो देवी गुरुकुल
चरणपादुका, कटड़ा

(सम्बद्ध : सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी)

विद्ययाऽमृतमश्नुते

वार्षिक प्रगति—विवरण 2012-2013

श्री माता वैष्णो देवी गुरुकुल— एक परिचय

1. परिचय —

1.1 श्री माता वैष्णो देवी गुरुकुल कटड़ा से लगभग दो किलोमीटर की दूरी पर चरणपादुका में स्थित है। इस गुरुकुल की स्थापना एवं संचालन **श्री माता वैष्णो देवी स्थापन बोर्ड, कटडा, जम्मू व कश्मीर** द्वारा किया जाता है। यह गुरुकुल लगभग **30 कनाल** भूमि पर निर्मित है, जिसमें आधुनिक कक्षा प्रकोष्ठ, छात्रावास, आचार्य निवास एवं भोजनालय की व्यवस्था है।

1.2 गुरुकुल स्थापना के उद्देश्य —

- भावी पीढ़ी को भारतीय पारम्परिक शास्त्रों एवं आधुनिक विषयों के ज्ञान के साथ सुन्दर समन्वय स्थापित कर सुशिक्षित करना।
- अध्येता छात्रों का चारित्रिक एवं मानवीय मूल्यों के साथ सर्वांगीण व्यक्तित्व का विकास करना।
- भावी पीढ़ी को **'वसुधैव कुटुम्बकम्'** की आदर्श भावना से समन्वित करना।
- वेदाध्ययन के माध्यम से श्रुति परम्परा को अक्षुण्ण बनाये रखना।
- नई पीढ़ी में भारतीय आचार, विचार एवं देशभक्ति से समन्वित समग्र व्यक्तित्व का विकास करना।

(कक्षा में अध्ययनरत छात्र)

1.3 सम्बद्धता —

इस गुरुकुल को प्रथमा से आचार्य कक्षा पर्यन्त **सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी** से स्थाई सम्बद्धता प्राप्त है।

विषय —

गुरुकुल में प्रथमा से लेकर आचार्य पर्यन्त पारम्परिक विषयों — वेद, साहित्य, व्याकरण, ज्योतिष, पुराणेतिहास एवं तुलनात्मक दर्शन के साथ ही आधुनिक विषय — विज्ञान, गणित, सामाजिक विज्ञान, अंग्रेजी एवं संगणकशिक्षा की शिक्षा दी जाती है। इसके अतिरिक्त योग एवं संगीत का भी प्रशिक्षण दिया जाता है।

1.4 गुरुकुल में विद्यमान व्यवस्थाएँ —

छात्रों हेतु—

- गुरुकुल में अध्ययनरत छात्रों हेतु श्री माता वैष्णो देवी स्थापन बोर्ड, कटड़ा द्वारा निःशुल्क आवास, भोजन, वस्त्र एवं पुस्तकादि की समुचित व्यवस्था है।
- गुरुकुल में **8** कक्षाओं सहित एक गणित प्रयोगशाला, एक प्रार्थना कक्ष, प्रधानाचार्य एवं आचार्यो आदि के लिये कमरों की व्यवस्था है।
- छात्रों के आरोग्यता हेतु चिकित्सा सुविधा की भी व्यवस्था है।
- छात्रों के क्रीडार्थ गुरुकुल परिसर में सुन्दर बास्केटबाल संकुल, वालीबॉल संकुल, बैटमिन्टन संकुल एवं अन्य क्रीडा क्षेत्र हैं।
- गुरुकुल में आधुनिक शिक्षण को अग्रसारित कराने हेतु सुन्दर संगणक कक्ष एवं विज्ञान प्रयोगशाला भी है।
- गुरुकुल में छात्रों हेतु दैनिक अध्ययनार्थ पुस्तकालय की भी व्यवस्था है। जिसमें पारम्परिक विषयों की पुस्तकों के साथ आधुनिक पुस्तकों का भी संग्रह है।

(श्री माता वैष्णो देवी गुरुकुल, चरणपादुका, कटड़ा का दृश्य)

(योगाभ्यास करते हुए छात्र)

(खेल मैदान में छात्र)

(खेल मैदान में छात्र)

अध्यापकों हेतु—

गुरुकुल में अध्यापन कराने वाले आचार्यों हेतु परिसर में ही सुन्दर आवास एवं भोजन की समुचित व्यवस्था उपलब्ध है।

(आचार्यों हेतु आवास)

1.5 प्रवेश प्रक्रिया —

गुरुकुल में प्रथमा—प्रथम वर्ष में ही प्रवेश लिया जाता है। वही छात्र अग्रिम कक्षाओं में प्रवेशित होते हैं। छात्रों का प्रवेश एक प्रवेश प्रक्रिया के माध्यम से होता है। जिसमें लिखित एवं मौखिक परीक्षा ली जाती है।

2. गुरुकुल संचालन समिति—

इस गुरुकुल को समुचित रुप से प्रगति पथ पर अग्रसर कराने हेतु एक उच्च समिति स्थापित है। जिस में निम्नलिखित सदस्य हैं—

1) डॉ० एस्.एस्. बलोरिया,
कुलपति,
जम्मू केन्द्रीय विश्वविद्यालय, जम्मू। : अध्यक्ष

2) मुख्य कार्यकारी अधिकारी,
श्री माता वैष्णो देवी स्थापन बोर्ड, कटड़ा : सदस्य

3) प्रो० युगलकिशोर मिश्र,
पूर्व कुलपति
राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर। : सदस्य

4) अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी,
श्री माता वैष्णो देवी स्थापन बोर्ड, कटडा : सदस्य

5) प्रो० विश्वमूर्ति शास्त्री,
पूर्व प्राचार्य,
राष्ट्रिय सस्कृत संस्थान, रणवीर परिसर, जम्मू : सदस्य

6) मुख्य लेखाधिकारी,
श्री माता वैष्णो देवी स्थापन बोर्ड, कटडा : सदस्य

7) प्रशासक,
श्री माता वैष्णो देवी गुरुकुल, कटडा : सदस्य

8) मुख्य पुजारी,
श्री माता वैष्णो देवी स्थापन बोर्ड, कटडा : सदस्य

गुरुकुल संचालन समिति की अब तक नौ बैठकें हो चुकी है। जिसमें गुरुकुल को प्रगतिशील करने हेतु अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये।

3. प्रगति—विवरण (सत्र—2012—2013)

3.1 छात्र—प्रवेश —

सत्र 2013—2014 में प्रवेश लिए **दिनांक 10 मार्च 2013** को लिखित एवं **दिनांक 13 मार्च 2013** को मौखिक परीक्षा आयोजित की गयी। जिसमें **209 छात्रों** ने भाग लिया। जिसमें से **25 छात्रों** का चयन हुआ।

(गुरुकुल में प्रवेश हेतु प्रवेश परीक्षा 2013 में भाग लेते छात्र)

(छात्र का व्यक्तिगत साक्षात्कार)

4. **नवीन सत्रारम्भ —**

2013—2014 का शैक्षिक सत्रारम्भ **दिनांक 01—04—2013** को हुआ।

5. **यज्ञोपवीत—संस्कार —**

प्रत्येक वर्ष की भॉति गुरुकुल में नव प्रवेशित छात्रों का **यज्ञोपवीत—संस्कार** अक्षय तृतीया **दिनांक 13—05—2013** को गुरुकुल के वरिष्ठ आचार्य के आचार्यत्व में सम्पन्न हुआ।

(नव प्रवेशित छात्रों का यज्ञोपवीत संस्कार)

(नव प्रवेशित छात्रों का यज्ञोपवीत संस्कार)

6. **चण्डीयज्ञ—**

गुरुकुल में प्रतिवर्ष शारदीय एवं वासन्तिक नवरात्र के उपलक्ष्य में अध्ययनरत छात्रों को कर्मकाण्ड में प्रशिक्षण देने के उद्देश्य से गुरुकुल के वरिष्ठ आचार्य के आचार्यत्व में चण्डीयज्ञ का आयोजन किया जाता है। इस वर्ष भी शारदीय एवं वासन्तिक नवरात्रों में गुरुकुल के सभी छात्रों ने भाग लेकर यज्ञ—सम्पादन क्षमता को विकसित किया।

(चण्डीयज्ञ में भाग लेते हुए छात्र)

(चण्डीयज्ञ में भाग लेते छात्र)

7. वार्षिक दिवस समारोह

7.1. श्री माता वैष्णों देवी गुरुकुल का प्रथम वार्षिक दिवस **30** अगस्त **2012** को गुरुकुल परिसर में मनाया गया। इस अवसर पर संस्कृत जगत् की महान विभूति एवं सलाहकार इन्दिरा गान्धी राष्ट्रीय कला केन्द्र, वाराणसी के प्रो० कमलेश दत्त त्रिपाठी मुख्य अतिथि थे।

(अध्यक्ष शासी परिषद् मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए)

7.2 इस समारोह में शासी परिषद् के सदस्य, श्री माता वैष्णों देवी स्थापन बोर्ड के अधिकारी, पुराना दरुड़ क्षेत्र के गणमान्य व्यक्ति, गुरुकुल के छात्र एवं कर्मचारी उपस्थित थे। इस अवसर पर छात्रों ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। वार्षिक परीक्षाओं तथा अन्य प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों को मुख्य अतिथि ने अपने कर कमलों द्वारा पुरस्कार प्रदान किए।

(मुख्य अतिथि गुरुकुल के सर्वोत्कृष्ट छात्र को पुरस्कार देते हुए)

8. आचार्य—अभिभावक सम्मेलन —

गुरुकुल में समय—समय पर छात्रों के अध्ययन—अध्यापन के विषय में चर्चा हेतु प्रशासक की उपस्थिति में आचार्य—अभिभावक सम्मेलन होता है। जो विगत सत्र में भी यथा समय सम्पन्न हुआ।

(आचार्य—अभिभावक सम्मेलन)

9. वार्षिक परीक्षाफल—

- **सत्र 2012.2013 की वार्षिक—परीक्षाफल निम्न रहा—**

क्र.सं.	कक्षा	छात्र संख्या	प्रथमश्रेणी	द्वितीयश्रेणी	तृतीयश्रेणी	अनुत्तीर्ण	उत्तीर्णता प्रतिशत
01.	**प्रथमा— प्रथम वर्ष**	**16**	**10**	**04**	**02**	**0**	**100%**
02.	**प्रथमा— द्वितीय वर्ष**	**18**	**11**	**05**	**01**	**01**	**95%**

- **प्रथमा तृतीय वर्ष की परीक्षा सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी द्वारा सम्पन्न हुई। जिस का विवरण निम्न है—**

क्र.सं.	कक्षा	छात्र संख्या	प्रथमश्रेणी	द्वितीयश्रेणी	तृतीयश्रेणी	अनुत्तीर्ण	उत्तीर्णता प्रतिशत
01.	**प्रथमा— तृतीय वर्ष**	**16**	**16**	**0**	**0**	**0**	**100%**

(वार्षिक परीक्षा 2013 में भाग लेते छात्र)

10. गुरुकुल निर्माण पर वर्ष **2012–13** में कुल `**157.55** लाख का व्यय किया गया है। जिसका विवरण निम्न है –

1.	पूँजीगत व्यय	` **66.85** लाख
2.	स्थापना पर व्यय	` **54.97** लाख
3.	दैनिक छात्रों पर व्यय	` **35.73** लाख
4.	सम्पूर्ण व्यय	`**157.55** लाख

11. विशिष्ट अतिथियों का आगमण –

गुरुकुल स्थापना के अनन्तर अनेक विशिष्ट अतिथियों का समय–समय पर आगमन होता रहा। जिसमें प्रमुख हैं–

1) डॉ० एस्.एस्. बलोरिया, कुलपति, जम्मू केन्द्रीय विश्वविद्यालय, जम्मू।
2) प्रो० युगलकिशोर मिश्र, पूर्व कुलपति, राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर।
3) प्रो० विश्वमूर्ति शास्त्री, पूर्व प्राचार्य, राष्ट्रिय सस्कृत संस्थान, रणवीर परिसर, जम्मू
4) श्री नवीन कुमार चौधरी, आई.ए.एस्. मुख्य कार्यकारी अधिकारी, श्री माता वैष्णो देवी स्थापन बोर्ड, कटडा।
5) प्रो० श्रीकिशोर मिश्र, आचार्य, संस्कृत विभाग, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी।
6) प्रो० मनुलता शर्मा, अध्यक्ष, संस्कृत विभाग, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी।
7) डॉ० भगवत्शरण शुक्ल, उपाचार्य, व्याकरण विभाग, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी।
8) डॉ० राममूर्ति चतुर्वेदी, उपाचार्य, संस्कृत विभाग, महात्मा गान्धी काशी विद्यापीठ, वाराणसी।
9) प्रो० सुभाष चन्द्र तिवारी, अध्यक्ष, शिक्षाशास्त्र विभाग, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी।

10) प्रो० हर प्रसाद दीक्षित, आचार्य, दर्शन विभाग, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी।

11) डॉ० मनदीप कुमार भण्डारी, आई.ए.एस., अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी, श्री माता वैष्णो देवी श्राईन बोर्ड, कटडा का समय–समय पर आगमन तथा कार्यकारी संरक्षण गुरुकुल को प्राप्त होता रहा है।

12. पुनश्चर्या पाठ्यक्रम –

गुरुकुल स्थापना के पश्चात् संस्थागत पुजारी एवं बाहरी पुजारियों को कर्मकाण्ड से सम्बन्धित प्रशिक्षण के उद्देश्य से दिनांक **15–06–2010** को श्री माता वैष्णो देवी स्थापन बोर्ड के अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी **डॉ० मनदीप कुमार भण्डारी** जी द्वारा **चतुर्दिवसीय पुनश्चर्या पाठ्यक्रम** का उद्घाटन गुरुकुल परिसर में हुआ। कालान्तर में यह कार्यक्रम षड्दिवसीय होकर चलायमान है। **सत्र 2012–2013** में **6** पाठ्यक्रम आयोजित किये गये जिसमें **संस्थागत पुजारी 10** एवं **बाहरी पुजारी 73** ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

(पुनश्चर्या पाठ्यक्रम मे भाग लेते बाहरी पुजारी)

(पुनश्चर्या पाठ्यक्रम मे भाग लेते बाहरी पुजारी)

13. सौर ऊर्जा –

गुरुकुल में विद्युत् के अभाव में छात्रों का अध्ययन एवं आवश्यक कार्य बाधित न हो इस उद्देश्य से गुरुकुल परिसर में सौर ऊर्जा प्रणाली यन्त्र स्थापित किया गया है।

(गुरुकुल परिसर में स्थापित सौर ऊर्जा प्रणाली यन्त्र)

(गुरुकुल परिसर में स्थापित सौर ऊर्जा प्रणाली यन्त्र)

14 भविष्य की योजनाएं —

14.1 गुरुकुल में विद्यार्थियों की बढ़ती हुई संख्या को देखते हुए भोजनालय के ऊपर **8** अतिरिक्त शयनागार बनाने का काम चल रहा है। इससे **48** अतिरिक्त विद्यार्थियों के लिए आवासीय सुविधा मिल सकेगी। अत: इन को मिलाकर कुल **25** शयनागार बन जाने से **116** विद्यार्थियों के लिए आवासीय सुविधा हो जाएगी।

14.2 **2013—14** सत्र से उच्च कक्षाओं को चलाने के लिए गुरुकुल में अतिरिक्त अध्ययनकक्ष बनाने की भी योजना है।

14.3 आचार्यों तथा अध्यापकों की बढ़ी हुई आवश्यकताओं को देखते हुए गुरुकुल परिसर में एक अतिरिक्त समूह जिसमें **2** कमरों वाले **6** समूह होंगे का निर्माण चल रहा है।

14.4 गुरुकुल में बच्चों के कपड़ों की धुलाई की आवश्यकताओं को देखते हुए लांड्री प्लांट लगाया जा रहा है।

14.5 भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए गुरुकुल भाग—**2** बनाने का प्रावधान है जो कि **12** कनाल भूमि पर बनाया जाएगा। इसमें आचार्यों, विद्यार्थियों, गुरुकुल के अन्य कर्मचारियों के लिए आवासीय सुविधा के अतिरिक्त यज्ञशाला और मंदिर का निर्माण भी किया जाएगा।

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः।
सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद्दुःखभाग्भवेत् ।।
।। ॐ शान्तिः शान्तिः शान्तिः।।